RNI No.-MAHBIL/2016/66409
Postal Registration No.-PCE / 089 / 2016-2018
License to Post without
prepayment No.-WPP-255/31.12.2018

BJS
Bharatiya Jain Sanghatana

भारतीय जैन संघटना

समाचार

श्री शांतीलाल मुथ्था
संस्थापक

Editor - Prafulla Parakh

वर्ष 2 अंक 8 | मूल्य - रू.1/- | अगस्त 2017 | पृष्ठ - 8

रक्षाबंधन

सामाजिक प्रतिबद्धताओं हेतु
सुसज्ज भारतीय जैन संघटना

https://www.facebook.com/empowermentofgirls/

राष्ट्रीय अध्यक्ष की कलम से.....2
मंथन: सामाजिक उत्तरदायित्वों का पर्व रक्षाबंधन.....3
'स्मार्ट गर्ल' कार्यक्रम से बेटियों की रक्षा.....4
BJS गतिविधियां.....5
हमारे प्रेरणा स्त्रोत.....6
अल्पसंख्यक सूचनाएं.....7

राष्ट्रीय अध्यक्ष की कलम से

प्रिय आत्मजन,

कहते हैं कि इतिहास स्वयं को दोहराता है. 14 अगस्त 1947 की मध्यरात्रि 12 बजे संसद भवन के केंद्रीय कक्ष में देश को मिली स्वतंत्रता का जश्न मनाया गया था. इस घटना के 70 वर्षों पश्चात 30 जून, 17 को पुनः संसद भवन के केंद्रीय कक्ष में रात्रि 12 बजे एक नया अध्याय लिखा गया. भारत सरकार, राज्य सरकारों व केंद्र शाषित प्रदेशों द्वारा कुल 500 से अधिक प्रकार के लगाए जाने वाले करों से मुक्त होकर मात्र एक कर प्रणाली GST (गुड्स एवं सर्विस टैक्स) के साथ 1 जुलाई, 2017 से देश ने आर्थिक स्वतंत्रता के एक नवीन युग में प्रवेश किया. गत 12 से अधिक वर्षों से सम्पूर्ण देश में एक कर प्रणाली लागू करने के प्रयास आखिरकार रंग लाए. आशा है कि GST के बलबूते पर अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होगी व विश्व पटल पर देश को आर्थिक महासत्ता के रूप में देखने का हमारा स्वप्न साकार होगा.

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की इज़राईल एवं अमेरिका यात्राएं समग्र विश्व के संचार माध्यमों की सुर्खियों में रही. इज़राईल के प्रधानमंत्री श्री बेंजामिन नेतन्याहू ने जिस आत्मीयता से भारतीय प्रधानमंत्री की अगवानी की और भारतीय प्रधानमंत्री ने इस दौरे में जो आत्मविश्वास दिखाया, वह वैश्विक राजनीति में बनने वाले नवीन अंतर्राष्ट्रीय समीकरणों का स्पष्ट संकेत है. इसके साथ ही अमेरिका की एक दिवसीय यात्रा में भारतीय प्रधानमंत्री ने विश्व के प्रथम राजनीतिज्ञ बनने का सम्मान प्राप्त किया, जिन्हें प्रेसिडेंट ट्रम्प ने व्हाईट हाऊस में निमंत्रित किया. इस अद्वितीय सम्मान को देकर प्रेसिडेंट ट्रम्प ने भी अमेरिका की परंपरागत विदेश नीति में बदलाव के संकेत दिये. भारतीय प्रधानमंत्री की अमेरिका यात्रा कितनी कारगर रहेगी, यह तो भविष्य के गर्त में छिपा है, किन्तु अमेरिका द्वारा पाकिस्तान को आतंकवादी देश की सूची में सम्मिलित करने का निर्णय लेना, निश्चित ही एक सुखद समाचार है. अमेरिका के इस निर्णय से पाकिस्तान को आर्थिक सहायता संभवतः बंद होगी, परिणामस्वरूप भारतीय सीमाएं व विशेषकर जम्मू तथा कश्मीर में आतंकवादी गतिविधियों के लगभग समाप्त होने की संभावनाएं प्रबल होगी.

गत एक माह में चीन द्वारा भारतीय सीमा में घुसपैठ की वारदातें बढ़ना निश्चित ही चिंता का विषय है. इन दिनों चीनी उत्पादों के बहिष्कार के समाचारों की बाढ़ सोशियल मीडिया पर आई हुई है. हम प्रायः अन्य से प्राप्त समाचारों या पोस्ट को मात्र आगे प्रेषित कर हमारे कर्तव्यों की ईतीश्री कर लेते हैं, जिसका हमारी राष्ट्रीय भावनाओं से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष संबंध होता ही नहीं है. सामरिक विषय को राष्ट्रीयता से जोड़कर सोशियल मीडिया पर संदेश प्रेषित करना एक बात है किन्तु राष्ट्रीय कर्तव्यनिष्ठता दूसरी बात है. चीनी उत्पादों के बहिष्कार हेतु प्रयोग में लायी जा रही संचार यंत्रणा चाहे वो हमारा मोबाईल फोन हो या फिर कॉम्प्यूटर, अधिकांशतः चीन के उत्पाद हैं, इस वास्तविकता से हमे परिचित होने की आवश्यकता है.

भारतीय जैन संघटना के संस्थापक परम श्रद्धेय शांतीलालजी मुथ्था 15 अगस्त, 17 को जीवन के 64वें वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं. सागर के समान विशाल एवं गहरा उनका सामाजिक जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा स्वरूप है. आपका मार्गदर्शन एवं नेतृत्व हम सभी को समाज के उत्थान विकास से राष्ट्र निर्माण में रत रहने हेतु सदैव प्राप्त होता रहे एसी कामना करते हुए आपके शतायु होने की परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करते हैं. भारतीय जैन संघटना परिवार ,सभी मित्रों एवं शुभचिंतकों की तरफ से आपको शुभकामनाएँ एवं अभिनंदन प्रेषित करते हैं.

मित्रों! भारतीय संस्कृति में तीज त्योहारों के महत्व से हम सभी परिचित हैं. सामाजिक, धार्मिक एवं राष्ट्रीय पर्व हममें ऊर्जा ही नहीं भरते अपितु हमारे जीवन को सार्थकता प्रदान करते हैं. रक्षाबंधन प्रतिबद्धताओं का सामाजिक पर्व है जो भाई एवं बहिन के परस्पर सम्बन्धों में स्थायी मधुरता वृद्धि के साथ भाई द्वारा बहिन को आवश्यकतानुरूप सुरक्षा प्रदान करने के उत्तरदायित्वों का निरंतर बोध कराता है. बीजेएस देश की बहिन बेटियों के आत्मसम्मान व उनकी सुरक्षा हेतु सदैव से ही चिंतनशील होकर उनके प्रति 'रक्षा' यानि सुरक्षा एवं 'बंधन' यानि प्रतिबद्धता की भावना के साथ 'रक्षाबंधन' पर्व को युवती सक्षमीकरण कार्यक्रम के माध्यम से पूरे वर्ष 365 दिन उत्सवित करता है. आप सभी को रक्षा बंधन के अवसर पर अग्रिम शुभकामनाएँ देते हुए 'रक्षाबंधन' पर यह अंक को देश की बहिनों को समर्पित करता हूँ.

प्रफुल्ल पारख
राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारतीय जैन संघटना

संपादक
प्रफुल्ल पारख, पुणे

कार्यकारी संपादक
निरंजन कुमार जुंवा जैन, अहमदाबाद

सदस्य
कैलाशमल दुगड़, चैन्नई **सुरेश कोठारी**, अहमदाबाद **सुदर्शन जैन**, बड़नेरा, **वीरेंद्र जैन**, इंदौर
महेश कोठारी, गोंदिया, **संजय सिंघी**, रायपुर, **राजेंद्र लुंकड़**, इरोड़

मंथन

सामाजिक उत्तरदायित्वों का पर्व रक्षाबंधन

पर्व एवं त्यौहार हमारे देश की राष्ट्रीय, सामाजिक एवं धार्मिक विरासतों का प्रतिनिधित्व करते हैं जिनसे हमारी संस्कृति समृद्ध भी होती रहती है. त्यौहार हमारे जीवन में ऊर्जा एवं नव चेतना का संचार ही नहीं करते अपितु सम्बन्धों में मधुरता एवं प्रगाढ़ता से मानव जीवन को अधिक महकाने के साथ साथ समाज में सौहार्द एवं बंधुत्व की भावना जागृत करते हैं. सामाजिक प्रतिबद्धताओं का प्रतीक रक्षाबंधन, सौहार्द एवं पारिवारिक आत्मीयताओं के निर्माण एवं संवेदना वृद्धि में सहायभूत, देश का अत्यंत ही प्राचीन सामाजिक पर्व है जो परिवार एवं समाज की अवधारणा को सुदृढ़ता प्रदान करता है. देश के विभिन्न भागों में इसे धार्मिक स्वरुप भी दिया जाता है. प्रतिवर्ष श्रावण मास की पूर्णिमा को मनाये जाने वाले इस पर्व को नारियली पूनम के नाम से भी जाना जाता है. हिन्दुओं के अतिरिक्त जैन एवं सिख भी इस पर्व को मनाते हैं. भारत के अतिरिक्त नेपाल में भी रक्षाबंधन पर्व मनाया जाता है.

महाभारत युद्ध से पूर्व, शिशुपाल से युद्ध करते हुए श्रीकृष्ण के हाथ पर लगी चोट पर द्रौपदी ने स्वयं की साड़ी के टुकड़े से पट्टी बांधी थी, जो राखी का ही स्वरुप थी. प्रसन्न होकर उन्होंने द्रौपदी से कुछ मांगने को कहा तो उसके जीवन के प्रत्येक क्षण में श्रीकृष्ण की देवीय कृपा की कामना उसने की, परिणामस्वरूप चीरहरण जैसी अमानवीय घटना के समय द्रौपदी की रक्षा कर भाई होने के उत्तरदायित्व का निर्वहन श्रीकृष्ण ने किया था. ईसा से लगभग 320 वर्ष पूर्व महान सिकंदर की पत्नि रोक्साना ने राजा पौरस को धागा भेजकर यह प्रार्थना की थी कि उसके पति को युद्ध में हानि न हो और पौरस ने उस धागे को पूर्ण सम्मान दिया था. ऐसी ही एक ऐतिहासिक घटना में चित्तौड की रानी कर्णावती ने मुग़ल बादशाह हुमायूँ को राखी भेजकर बहादुर शाह से रक्षा करने की प्रार्थना की थी. सन् 1905 में अंग्रेजों ने बंगाल को हिन्दू- मुस्लिम धर्म के आधार पर दो भागों में विभाजित किया था. इस घटना के प्रतिकार में श्री रविंद्रनाथ टैगोर ने बंगाल में हिन्दू -मुस्लिम एकता व सौहार्द बनाए रखने हेतु रक्षाबंधन उत्सवित किया था. तब से यह परम्परा है कि मित्रों व पड़ोसियों को भी राखी बांधी जाती है. देश के कुछ मुस्लिम रक्षाबंधन को बहुसांस्कृतिक पर्व के रूप में मनाते हैं. देश के ईसाई सम्प्रदाय भी इस पर्व को ऐतिहासिक व सामजिक स्वरुप में उत्सवित करता है.

व्यक्तिवादिता एवं स्वच्छंदता पश्चिम की संस्कृति है जो संकुचित पारिवारिक भावनाओं से ग्रसित रहती है जबकि भारत देश रक्षाबंधन जैसे त्यौहारों से पोषित होकर उस संस्कृति को पल्लवित करता रहा है जहाँ पारिवारिक आत्मीयता एवं भावनात्मकता, विशालता की सीमाओं को तोड़ने हेतु लालायित रहती है. सम्यक ज्ञान, दर्शन एवं चरित्र जैसे जैन धर्म के मूल तत्त्वों की अवधारणा से सुशोभित रक्षाबंधन पर्व जीवन दर्शन आधारित उन सामाजिक चारित्रिक उत्तरदायित्वों का बोध कराता है जिसमें परिवारजन विशेषकर महिला पात्रों की सामाजिक सुरक्षा निहित है. वैदिक काल से ही भारतीय समाज में महिलाओं के विशेष स्थान एवं सम्मान के साथ उनकी सामजिक सुरक्षा का उत्तरदायित्व परिवारजन एवं समाज के माध्यम से सुनिश्चित होता रहा है.

गत एक शताब्दी में आधुनिक विज्ञान का मानव जीवन पर बढ़ता प्रभाव तथा गतिमान हुई वैश्वीकरण की प्रक्रिया के कारण विश्व के लगभग सभी देशों की सामाजिक स्थितियों में नाटकीय परिवर्तन दृष्टिगोचर हो रहे हैं. परिवर्तन संसार का नियम है किन्तु परिवर्तन चक्र जिस द्रुत गति से पिछले कुछ दशकों से घूम रहा है, परिणामतः मानव मूल्य धराशाई हो रहे हैं. इस संक्रमणकालीन युग में देश की सांस्कृति पर हो रहे तीव्र प्रहारों का सर्वाधिक दुष्प्रभाव परिवार नाम की संस्था पर हुआ है. परिवार नए स्वरुप में परिभाषित होने के साथ-साथ उसके कार्य क्षेत्र, उद्देश्य भी बदल गए हैं. यही कारण है कि आज देश में महिलाओं की सामाजिक स्थितियां विशेषकर उनका स्वाभिमान, आत्मसम्मान एवं सुरक्षा सभी कुछ दाव पर लगा है. युवतियों में बढ़ता उच्च शिक्षा का प्रमाण व उनकी आर्थिक आत्मनिर्भरता के कारण उनमें पनप रही व्यक्तिवादिता एवं स्वच्छंदता, लगी हुई सामाजिक चुनौतियों की आग में घी डालने का कार्य कर रही है.

भारतीय समाज में उद्भवित होने वाली इन समस्याओं का अग्रिम आंकलन भारतीय जैन संघटना द्वारा एक दशक पूर्व किया गया था. संभावित जटिलताओं एवं दुष्प्रभावों का रिसर्च आधारित अध्ययन कर युवती सक्षमीकरण कार्यक्रम का निर्माण किया गया तथा देश की युवा बहिन-बेटियों को 21वीं शताब्दी में लगी सामाजिक चुनौतियों की आग का सामना करने का प्रशिक्षण प्रदान करने का संकल्प एक मिशन के तहत् लिया गया जिसमें रक्षाबंधन पर्व की वह पवित्र भावना समाहित है कि इस देश की प्रत्येक बहिन-बेटी को वो सुरक्षा व सम्मान मिले जिसकी वे अधिकारिणी हैं.

भारतीय जैन संघटना के राष्ट्र व्यापी नेटवर्क के माध्यम से युवती सक्षमीकरण कार्यक्रम के प्रशिक्षक तैयार कर राष्ट्रीय स्तर पर इस अभियान को पिछले 8 वर्षों से संचालित किया जा रहा है. जैन समाज की हजारों बेटियों को सम्मान सभर सुरक्षित जीवन जीने व परिवारजन से तालमेल व संवाद स्थापित करने की कला युवती सक्षमीकरण कार्यक्रम के तहत् सिखाई जा रही है. इस मिशन के द्वितीय चरण में गत दो वर्षों के अथक प्रयासों के पश्चात् शिक्षण संस्थाओं के माध्यम से 'स्मार्ट गर्ल' नामक सक्षमीकरण पाठ्यक्रम सफलता के साथ प्रभावी बनाया जा रहा है. इसके तहत् नवम्बर, 2016 से मार्च, 2017 के मध्य कक्षा 8 से 10 की सरकारी विद्यालयों की लगभग 71,000 छात्राओं को सक्षम बनाया गया है तथा आगामी वर्ष हेतु 2 लाख छात्राओं को सक्षम बनाने का लक्ष्य है. संरक्षक एवं भाई की भूमिका का निर्वहन सम्पूर्ण क्षमता के साथ करने हेतु भारतीय जैन संघटना 'रक्षाबंधन' के उस बंधन हेतु प्रतिबद्ध तरीके से कार्यरत है.

‘स्मार्ट गर्ल’ कार्यक्रम से बेटियों की रक्षा हेतु बीजेएस की प्रतिबद्धता

दिनांक 22-23 जुलाई,
स्थान: वर्धमान जैन श्रावक संघ,
रापर (कच्छ-गुजरात)
प्रतिभागी संख्या: 35
प्रशिक्षिका: श्रीमती नेहा वोरा,
गांधीधाम

दिनांक: 25-26 जुलाई
स्थान: डूंगरपुर (राजस्थान)
प्रतिभागी संख्या: 75
प्रशिक्षिका: श्रीमती अस्मिता देसाई, राजकोट

दिनांक: 28-29 जुलाई
स्थान: सांदीपनी अकादमी, मंडलेश्वर (म.प्र.)
प्रतिभागी संख्या: 88
मुख्य प्रशिक्षिका: श्रीमती अमिता जैन, उज्जैन

Smart Girl
To be Happy
To be Strong

दिनांक 29-30 जुलाई
स्थान: गायत्री शिक्षा निकेतन, खरगोन (म.प्र.)
प्रतिभागी संख्या: 49
प्रशिक्षिका: श्रीमती अलका ओसवाल, गंजबासोदा

दिनांक 24-25 जुलाई
स्थान: श्री मोदी स्कूल, जामनगर (गुजरात)
प्रतिभागी संख्या: 52
प्रशिक्षिका: श्रीमती प्रतीक्षा राजानी, राजकोट

दिनांक 15-16 जुलाई
स्थान: नटराज पी.यू. कालेज, मैसूर (कर्नाटक)
प्रतिभागी संख्या: 70
प्रशिक्षिका: श्रीमती विमलाश्री

दिनांक:17-18 जुलाई
स्थान:चेनामा गर्ल्स हाई स्कूल,
किटुर (बैल्लारी-कर्नाटक)
प्रतिभागी संख्या: 78
प्रशिक्षक: श्री नवीन मेहता, इल्काल

दिनांक 7-8 जुलाई
स्थान: सुरेश दादा स्कूल (SEED) जलगाँव (महाराष्ट्र))
प्रतिभागी संख्या: 78
प्रशिक्षक: श्री रत्नाकर महाजन, हिंगोली

दिनांक 8-9 जुलाई
स्थान: श्रीमती दानकुंवर महिला कॉलेज, जालना (महाराष्ट्र)
प्रतिभागी संख्या: 88
प्रशिक्षक: श्री चंद्रशेखर गुलवाड़े, अमरावती

बीजेएस गतिविधियाँ एवं समाचार

"माझा सम्मान" : श्री शांतीलालजी मुथ्था हुए सम्मानित

समाचार चैनल ABP Maza द्वारा महाराष्ट्र के 9 रत्नों को मा.श्री नितिन गडकरी, श्री शरद पवार, श्री अजय देवगन एवं ABP Maza के संपादक श्री खांडेकर के करकमलों से पिछले तीन दशकों में सामाजिक उत्थान विकास के अद्वितीय कार्य करने हेतु श्रीमान मुथ्थाजी को सम्मानित किया गया.

अन्य 8 रत्नों में सर्वश्री अमोल यादव, धुरंदर, केदार जाधव, सलीम शैख, राहुल देशपांडे, राजकुमार कांबले एवं मुक्ता बरवे को विशिष्ट सेवाओं हेतु सम्मानित किए गए.

महाराष्ट्र सूखा मुक्त करने के लिए हमें क्रन्तिकारी कदम उठाना होगें – शांतीलाल मुथ्था

महाराष्ट्र को सूखे के दुष्काल से मुक्त करने के अभियान में अभिनेता श्री आमीर खान की पानी फाउन्डेशन की 'वाटर कप प्रतियोगिता' का पुरस्कार समारोह 6 अगस्त, रविवार को श्री छत्रपति शिवाजीराव स्टेडियम,पुणे में सम्पन्न हुआ. इस आयोजन में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री मान. श्री देवेन्द्र फड़नवीस, राज्य के जल संधारण मंत्री राम शिंदे, समाज कल्याण राज्य मंत्री दिलीप कांबळे, प्रसिद्द सिने अभिनेता श्री शाहरुख खान, श्रीमती नीता अम्बानी, श्री राजीव बजाज, श्री अजय पिरामल, आर.वेंकट, झिया लालकाका, सत्यजीत भटकल सहित देश के ख्यात उद्योगपति, फिल्मजगत के प्रसिद्ध कलाकार एवं पूरे महाराष्ट्र से हजारों ग्रामीणजन उपस्थित रहे.

इस आयोजन में भारतीय जैन संघटना की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए संस्थापक आ.श्री शांतीलाल मुथ्था ने कहा कि महाराष्ट्र को सूखे के दुष्काल से मुक्त करने के लिए इस वर्ष बीजेएस ने 339 गाँवों में 492 पोकलेन / जेसीबी मशीन की सहायता से 73,698 घंटों के लिए गांवों को सहायता की. पानी फाउन्डेशन के इस अभियान में बीजेएस आगामी वर्षो में भी अपने कार्यकर्ताओं की सहायता से तब तक भरपूर योगदान देते रहेगा जब तक कि महाराष्ट्र को सूखे के दुष्काल से मुक्ति नहीं मिल जाती और यह क्रन्तिकारी कदम आप, हम सभी को मिलकर संयुक्त रूप से उठाना होगा.

बीजेएस राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की सभा सम्पन्न

दिनांक 23 व 24 जुलाई, 2017 को दो दिवसीय सभा ऐतिहासिक ताजसिटी आगरा में सम्पन्न हुई. पदाधिकारियों व सदस्यों के अतिरिक्त सभी राज्यों के राजाध्यक्ष एवं सचिवों ने भाग लिया. आगरा के लब्धप्रतिष्ठित एवं बीजेएस उत्तरप्रदेश के संरक्षक व PNC Infratech Ltd. के चेयरमेन श्री प्रदीप जैन, मे. मारसन्स के श्री विमल जैन एवं श्री निर्मल जैन मोठ्या सभा के उद्घाटन सत्र में उपस्थित रहे.

सभा का संचालन राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल पारख ने किया. सभा की कार्यसूची अनुसार आगामी वर्ष के राज्यवार कार्यक्रम कैलेण्डर को अंतिम स्वरूप देने हेतु गहन चर्चा विचारणा हुई व स्मार्ट गर्ल, बदलोगे तो बढ़ोगे, अल्पसंख्यक लाभ जन जागृति कार्यशालाएँ, बीजेएस चेप्टरों के गठन व 2017-18 में प्लास्टिक सर्जरी शिविरों के आयोजन संबंधी लक्ष्य निर्धारित किए गए.

सभा के प्रथम दिवस, गत 6 माह में किए गए कार्यों जैसे महाराष्ट्र सूखा मुक्ति अभियान, FJEI के राज्य अधिवेशन एवं अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थाओं के संवैधानिक अधिकारों पर कार्यशालाओं के आयोजन आदि पर रिपोर्ट क्रमशः श्री पारख एवं श्री राजेंद्र लुंकर ने प्रस्तुत की. आगामी सभा 4 व 5 नवंबर को ऊंटी (तमिलनाडू) में करने का निर्णय लिया गया. बीजेएस उत्तरप्रदेश के सौजन्य से आयोजित इस सभा हेतु प्रदान किए गए श्रेष्ठ प्रबंधों हेतु सर्वश्री मनोज जैन, पंकज जैन एवं कुमारमंगलम जैन सहित समस्त उत्तरप्रदेश बीजेएस टीम का आभार व्यक्त किया गया.

राजस्थान FJEI नेटवर्क की शिक्षण संस्थाओं के अध्यापको ने प्राप्त किया प्रशिक्षण

5 व 6 जुलाई, 2017 को जयपुर में बीजेएस राजस्थान के तत्वावधान में 'स्मार्ट गर्ल' कार्यक्रम प्रशिक्षणार्थी प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन कौटिल्य इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलोजी एवं इंजीनियरिंग कॉलेज में हुआ. कार्यशाला का उदघाटन राजस्थान के सामाजिक न्याय एवं अल्पसंख्यक मंत्री श्री अरुण चतुर्वेदी ने किया. मुख्य प्रशिक्षक एवं बीजेएस के महासचिव श्री राजेंद्र लुंकर ने 28 शिक्षण संस्थाओं के 63 शिक्षकों को 'स्मार्ट गर्ल' प्रशिक्षक बनने हेतु प्रशिक्षण प्रदान किया. कार्यशाला का आयोजन बीजेएस राजस्थान एवं श्री सी. के. बाफना उपाध्यक्ष FJEI राजस्थान द्वारा किया गया.

व्यवसाय विकास कार्यक्रम "बदलोगे तो बढोगे"

दिनांक - 30 जुलाई,
स्थान - विद्या नालेज सिटी, मेरठ (उत्तर प्रदेश),
प्रशिक्षक - श्री राकेश जैन 'प्रखर', इंदौर

प्रतिभाएँ - जो हमारी प्रेरणा के स्रोत हैं

इनसे मिलिए:

डॉ. विजय सेटिया, पुणे

पुणे के डॉ. विजय सेटिया ने MS (Surgery) की डिग्री वर्ष 1987 में VMMC सोलापुर से प्राप्त की. Endoscope पर विशेष प्रशिक्षण आपने AIMS, नई दिल्ली से लिया. आपने वर्ष 1989 में 25 Bed का सिद्धार्थ हॉस्पिटल पुणे में स्थापित कर अतिरिक्त 4 Bed का Burns यूनिट भी स्थापित किया.

बाल्यकाल से ही डॉ. विजय सेटिया सामाजिकता से ओतप्रोत रहे. आप हीराबाई सेटिया चेरिटेबल ट्रस्ट, पुणे के संस्थापक एवं सचिव हैं. SM Joshi Memorial Medical Foundation द्वारा संचालित संस्था "आरोग्य सेना" के आप Dy. Director हैं. आप स्वास्थ्य परीक्षण, पोलियो रसीकरण, रक्तदान, कैंसर जांच पड़ताल आदि शिविरों का नियमित आयोजन विभिन्न संस्थाओं के सहयोग से करते हैं. ग्राम परण्ड्वाड़ी, जिला पुणे में भारत यात्रा आरोग्य चिकित्सा केंद्र में पिछले 9 वर्षों से प्रत्येक माह के एक रविवार को शुभेच्छा सेवाएँ देते हैं, जिसमें आसपास के 240 गांवों के रुग्ण व्यक्ति इलाज करवाते हैं. भारत यात्रा केंद्र की ग्रामीण विकास शाखा की स्थानीय समिति के सदस्य हैं. आपके द्वारा पुणे शहर के रिक्शा चालकों हेतु विशिष्ट स्वास्थ्य योजना प्रारम्भ की गई जिसमें अब तक 9000 रिक्शा चालक लाभान्वित हुए हैं. सिद्धार्थ हॉस्पिटल का सम्पूर्ण परिसर सामाजिक सेवा कार्यों हेतु सदैव उपलब्ध रहता है.जरूरतमन्द युवतियों की सहायतार्थ समता प्रतिष्ठान द्वारा संचालित 6 माह का नर्सिंग कोर्स "रुग्ण परिचारिका" नियमित रूप से सिद्धार्थ हॉस्पिटल में चलता है. राष्ट्रीय सेवा दल की विभिन्न गतिविधियों में आप नियमित रूप से भाग लेते हैं. आप व्यक्तिगत स्तर पर अनेक जरूरतमन्द रोगियों को इलाज के अतिरिक्त आर्थिक सहायता भी प्रदान करते हैं. मुफ्त नेत्र जांच एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविरों का आयोजन गत 12 वर्षों से कर रहे हैं. आपने ऑल इण्डिया रेडियो पर श्रृंखलाबद्ध स्वास्थ्य संबंधी प्रवचन दिये हैं.

डॉ. सेटिया बीजेएस से गत अनेक वर्षों से जुड़े हैं. आपने 1993 में लातूर व 2001 में गुजरात में आए भूकंप में राहत कार्यों में रचनात्मक medical सेवाएँ प्रदान की है व इस हेतु आपकी सेवाएँ सदैव उपलब्ध रहती है. बीजेएस के वाघोली स्थित शैक्षणिक पुनर्वसन केंद्र की प्रबंधन समिति के सदस्य व Medical Advisor हैं.

आप IMA एवं ASI के आजीवन सदस्य हैं. आपको स्वतंत्रता दिवस पर पुणे महानगर निगम द्वारा सम्मानित किया गया.

Email: vgsetiya@yahoo.com

हमें इन पर गर्व हैं

श्री राजीव सुरेन्द्र दोड्डणवर,

बेलगावी, कर्नाटक

बेलगावी, कर्नाटक के ख्याति प्राप्त जैन परिवार मे आपका जन्म 1955 में हुआ. आपकी प्रारम्भिक शिक्षा बेलगावी से हुई तथा B.E. (Mechanical) तुमकुर सिद्धगंगा तांत्रिक विद्यालय से किया. विद्यार्थीकाल में आपने NCC एवं SCOUT आदि गतिविधियों में भाग लिया. खेलों में क्रिकेट, हॉकी, टेबल टेनिस आदि में आपने राज्य का प्रतिनिधित्व किया. आप लौह, खनिज, कृषि तथा आयात/निर्यात के व्यवसाय में गत 33 वर्षों से रत हैं.

आप भरतेश शिक्षण संस्थान के सचिव हैं, जिसमें 22 शैक्षणिक संस्थाएं हैं जहां प्रथम कक्षा से लेकर स्नातकोत्तर स्तर के विविध पाठ्यक्रम शिक्षण 8000 विद्यार्थियों को 550 कर्मचारियों के माध्यम से उपलब्ध हैं. आप सामाजिक, शैक्षणिक तथा धार्मिक उत्तरदायित्वों का निर्वहन बखूबी से करते हैं. अनेक राष्ट्रीय स्तर के साधुओं का चातुर्मास आयोजन आपने बेलगावी में करवाया है. सन् 2005 में राष्ट्रीय संत परमपूज्य तरुण सागरजी के चातुर्मास के दौरान बेलगावी में आई बाढ़ में 1,50,000 से अधिक खाद्य पैकेट का वितरण आपने हवाई जहाज से करवाया था.

धर्मस्थल विकास जनजागृति मंच बेलगावी तथा कर्नाटक के अध्यक्ष एवं सलाहकार हैं. इस मंच ने अब तक 10 से अधिक व्यसन मुक्ति शिविरों का आयोजन किया है जिसमें 700 से अधिक लाभान्वित हुए हैं. 14 से अधिक रक्तदान शिविर, 5000 से अधिक मोतियाबिंद नेत्र ऑपरेशन व प्लास्टिक सर्जरी शिविरों का आयोजन आपके नेतृत्व में किए जा चुके हैं. 22,000 से अधिक विद्यार्थियों को आप छात्रवृत्ति दिलवाने में सफल रहे हैं. आप पर्यावरण प्रेमी हैं व दोड्डणवर परिवार के सहयोग से अब तक 1 लाख वृक्षों का रोपण किया है. जैन बालकों हेतु धार्मिक पाठशालाएं प्रारम्भ की है. आपके प्रयासों से अनेक प्राचीन जैन मंदिरों का जीर्णोद्धार हुआ है.

बीजेएस से आप घनिष्ठता से जुड़े हैं. अल्पसंख्यक विषय पर संस्थाओं एवं समाजजन् की जागृति हेतु कार्यशालाएं व प्रशासनिक सेवाओं में जुड़ने हेतु जैन युवाओं को प्रोत्साहित करने की कार्यशालाएं आप आयोजित करते रहते हैं. बेलगावी जिले में आपकी प्रेरणा से बीजेएस के विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन निरंतर होता है.

Email- info@bharatesh.in

देश का अनोखा "SHEROES CAFÉ"

आगरा शहर मे ऐतिहासिक ताजमहल के समीप, एसिड के घातक प्रहारों से पीड़ित 5 महिलाओं द्वारा "SHEROES CAFÉ" का संचालन उनके आत्मविश्वास की कहानी स्वयं कहता प्रतीत होता है. केफ़े की संस्थापिका दिल्ली की आलोक दीक्षित जो स्वयं एसिड प्रहार पीड़िता है, कहती है कि उनका उद्देश्य ऐसी महिलाओं में जागृति लाना है. सफ़ेद टी शर्ट पर "Stop Acid attacks" लिखे संदेश से सुसज्ज 23 वर्षीय नीतू महौर केफ़े में आगंतुकों का स्वागत करती हैं. देश में यह अपने प्रकार का अनोखा एक मात्र केफ़े है जहां चाय-कॉफी से लेकर परोसे जाने वाले किसी भी व्यंजन का मूल्य निर्धारित नहीं है. ग्राहक स्वयं की इच्छा से जो भी दे, स्वीकार किया जाता है.

एसिड प्रहार पीड़िता जो कभी समाज से दूर रहकर भी चेहरे को छिपाने का प्रयास करती थी, आज वो अत्यंत ही आत्मविश्वास के साथ सामान्य जीवन ही नहीं जी रही अपितु अन्य एसिड प्रहार पीड़िताओं के लिए प्रेरणा की मिसाल बन रही हैं. आगरा शहर में देशी व विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करता यह "SHEROES CAFÉ" इन महिलाओं का हौसला बढ़ाने हेतु तो पर्याप्त है ही साथ ही इन बहिनों के प्रति सामाजिक प्रतिबद्धताओं का द्योतक भी है.

प्रेरणामयी संस्था : "SHEROES CAFÉ"

समाजजन की रचनात्मक सहभागिता से भारतीय जैन संघटना के अल्पसंख्यक लाभ जनजागृति अभियान को व्यावहारिक स्वरूप देने का नवतर प्रयोग

अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति ऑनलाईन आवेदन प्रक्रिया प्रशिक्षण दिनांक - 20 जुलाई, स्थान - ज्ञानगंगा इंजीनियरिंग कालेज, जबलपुर (मध्यप्रदेश), प्रतिभागी संख्या - 50, मुख्य प्रशिक्षक - श्री निरंजन जुवां जैन,अहमदाबाद

27 जनवरी, 2017 को भारत सरकार ने जैन समुदाय को राष्ट्रीय स्तर पर अल्पसंख्यक दर्जा प्रदान किया, इस वास्तविकता से लगभग हम सभी अवगत हैं. अल्पसंख्यक विषय को लेकर जैन समुदाय मे उस समय की प्रवर्तमान स्थितियों का अध्ययन भारतीय जैन संघटना ने राष्ट्रीय स्तर पर किया व पाया कि अल्पसंख्यक विषय पर सम्पूर्ण देश मे गहन रूप से कार्य करने की आवश्यकता है क्योंकि विषय के महत्व को समझाने के साथ अल्पसंख्यक विषय को लेकर समाज में व्याप्त भ्रांतियों का निराकरण करना भी आवश्यक था. केंद्र व राज्य सरकारों द्वारा प्रदत्त अल्पसंख्यकता के लाभों से देश के प्रत्येक जैन परिवार को माहितगार करने हेतु योजनाबद्ध अभियान चलाने का निर्णय लिया गया.

अल्पसंख्यक लाभों की विभिन्न योजनाओं का गहराई से अध्ययन कर लाभ के क्षेत्र सुनिश्चित किए गए व पुस्तकों का प्रकाशन किया गया. राष्ट्रस्तरीय अल्पसंख्यक लाभ जनजागृति अभियान प्रारम्भ किया गया जिस हेतु जून, 2014 में 50 से अधिक जैन समाज के भिन्न भिन्न राज्यों से प्रशिक्षक तैयार किये गए. वर्ष 2015 एवं 2016 में भी प्रशिक्षक तैयार किए गए. बीजेएस माईनॉरिटि नॉलेज सेंटर स्थापित किया गया जिसमें अल्पसंख्यक विषय पर रिसर्च आधारित अध्ययन व जनजागृति हेतु कार्यक्रमों का निर्माण किया जा रहा है. समाजजन, विद्यार्थियों तथा शैक्षणिक संस्थाओं हेतु विविध पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन कार्यक्रमों का निर्माण अब तक किया गया है व आवश्यकतानुरूप उन्हें अपडेट करने का कार्य भी इस केंद्र में किया जा रहा है. विभिन्न प्रशिक्षणों के प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों का निर्माण व पुस्तकों के प्रकाशन हेतु लेखन कार्य भी इस केंद्र में होता है. इसके अतिरिक्त अल्पसंख्यक मंत्रालय, भारत सरकार से विभिन्न मुद्दों पर आवश्यक पत्राचार आदि भी किया जाता है.

अल्पसंख्यक लाभ जन जागृति अभियान के अंतर्गत अब तक देश में जैन समाज हेतु 200 से अधिक कार्यशालाएँ व शैक्षणिक संस्थाओं हेतु 15 कार्यशालाओं का आयोजन किया जा चुका है. बीजेएस द्वारा चलाये जा रहे अल्पसंख्यक लाभ जनजागृति अभियान से जैन समुदाय का व्यवसायी वर्ग, महिलाएं, विद्यार्थी एवं शैक्षणिक संस्थाएं लाभान्वित हुए हैं. किन्तु सिक्के का दूसरा पहलू यह भी है कि अल्पसंख्यक विषय पर जैन समाज में अब तक किए गए प्रयास अपर्याप्त ही हैं व अधिक प्रामाणिकता एवं व्यापकता के साथ अल्पसंख्यक संवैधानिक अधिकारों व लाभों के क्षेत्रों में विशिष्ट नवयोजनाओं के साथ कार्य करने की आवश्यकता है. बीजेएस ने इस विषय को गंभीरता से लिया व उसके द्वारा दी जा रही सेवाओं को व्यावहारिक स्वरूप प्रदान करने का अभिनव प्रयास किया. विद्यार्थियों को मिलने वाली छात्रवृत्तियों में ऑनलाईन आवेदन प्रत्येक नगर शहर में समाजजन द्वारा किए जाएँ व स्थानीय स्तर पर विद्यार्थियों को तत्काल मार्गदर्शन मिले, इस उद्देश्य के साथ एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम हाल ही में तैयार किया गया व जबलपुर के ज्ञानगंगा इंजीनियरिंग कॉलेज में विद्यार्थियों को सेवाएँ देने के ईच्छुक 50 समाजजन को 20 जुलाई, 17 को 'ऑनलाईन एप्लीकेशन प्रोसेसिंग' पर एक दिवसीय प्रशिक्षण प्रदान किया गया. जबलपुर के अतिरिक्त विभिन्न गांवों/शहरों के जैन समाज के व्यक्तियों ने यह प्रशिक्षण प्राप्त किया व आशा है कि इन प्रशिक्षकों के माध्यम से अल्पसंख्यक लाभों को सुलभ करवाने में समाज की बढ़ती रचनात्मक सहभागिता से व्यावहारिक सेवाओं के नए युग का सूत्रपात होगा व शिक्षण संस्थाओं व महिलाओं हेतु इसी तरह की व्यावहारिक सेवाएँ प्रदान करने की व्यावहारिक नव-योजनाओं के निर्माण का वातावरण निर्मित होगा.

बीजेएस के आगामी परिचय सम्मेलन

मध्यप्रदेश के उज्जैन में आगामी 17 सितम्बर, 2017 को महाकाल परिसर, अरविन्द नगर, आगर रोड में समग्र जैन समाज युवक/युवतियों हेतु परिचय सम्मेलन "चयन 2017"

जानकारी हेतु संपर्क करें:
अध्यक्ष श्रीमती मनीषा सुराणा - 9425092530
सचिव श्री विपुल जैन - 9479764241

कर्नाटक के बैंगलोर में आगामी 24 सितम्बर, 2017 को कपूर भवन, गाँधी नगर में उच्च शिक्षित युवक/युवतियों हेतु Jain Matrimonial Get-Together

जानकारी हेतु संपर्क करें:
श्री सुरेश धोका जैन - 9341066908
श्री सज्जन राज मेहता जैन - 845501150

महाराष्ट्र के पुणे में आगामी 24 सितम्बर, 2017 को महावीर प्रतिष्ठान, गुलटेकड़ी में समग्र जैन समाज के विधवा, विधुर, परित्यक्ता हेतु परिचय सम्मेलन

जानकारी हेतु संपर्क करें:
श्री विजय पारख - 9822424316
श्री राजेंद्र सुराणा - 9371023161

इच्छुक प्रत्याशी उक्त तीनों परिचय सम्मेलनों में सहभागिता हेतु ऑनलाइन पंजीयन www.bjsmm.bjsapps.com पर शीघ्र करें।

जीवेत शरदः शतम्

श्री. शांतीलाल मुथ्था

संस्थापक, भारतीय जैन संघटना

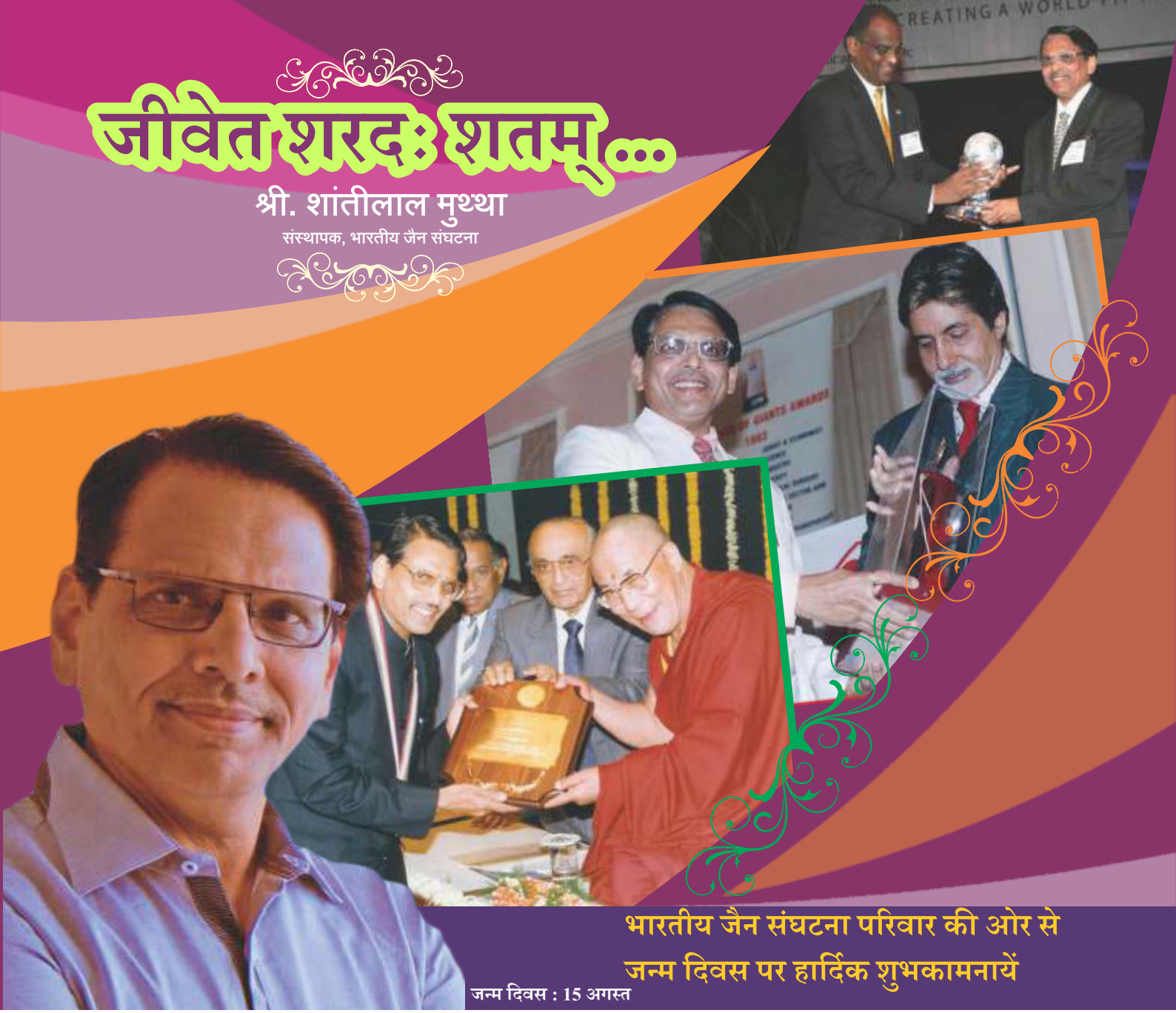

भारतीय जैन संघटना परिवार की ओर से

जन्म दिवस पर हार्दिक शुभकामनायें

जन्म दिवस : 15 अगस्त

To,

RNI No.-MAHBIL/2016/66409
Postal Registration No.-PCE / 089 / 2016-2018
License to Post without
prepayment No.-WPP-255/31.12.2018
Published on 7th of Every Month
Posted at Market Yard PSO, Pune On-
10th of Every Month

If undelivered Please Return To

BJS
Bharatiya Jain Sanghatana

Level IV, Muttha Towers, Loop Road, Near Don Bosco Church, Yerawada, Pune 411006
Tel. : 020 4120 0600, 4128 0011, 4128 0012
Website: www.bjsindia.org **Email :** info@bjsindia.org **Facebook :** www.facebook.com / BJSIndiacommunity **Tweeter :** BJS_India

मुद्रक तथा प्रकाशक – प्रफुल्ल पारख द्वारा भारतीय जैन संघटना के लिये प्रभात प्रिंटिंग वर्क्स, 427, गुलटेकड़ी, पुणे – 411037 से मुद्रित तथा मुथ्था टावर, लूप रोड, नियर डॉन वास्को चर्च, येरवडा, पुणे – 411006 से प्रकाशित. सम्पादक – प्रफुल्ल पारख, फ़ोन – (020) 41200600